Global Schools Program

पाठ्यक्रम अवलोकन

ग्रेड 9

स्रोत: रिमर्स, एफ। (2017)।साठ पाठों में दुनिया को बेहतर बनाने के लिए छात्रों को सशक्त बनाना. । क्रिएटस्पेस इंडिपेंडेंट पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म।

कॉपीराइट: © 2017 फर्नांडो एम। रीमर्स। यह काम क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 4.0 इंटरनेशनल लाइसेंस के तहत लाइसेंस प्राप्त है। इस लाइसेंस की कॉपी देखने के लिए, https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/ सर्वाधिकार सुरक्षित देखें।

सूचना: इसकी सभी सामग्री को ग्लोबल स्कूल प्रोग्राम से स्वतंत्र रूप से निर्मित और प्रकाशित किया गया था।

ओवरव्यू
सीखने का लक्ष्य ग्रेड 9 में, छात्र साहित्य के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों और लैंगिक समानता से संबंधित विषयों की जांच करेंग। महिलाओं के इन साहित्यिक चित्रणों का उपयोग करते, छात्र स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मौजूदा लिंग असमानता का पता लगाएंगे। अंत में, छात्र जो सीखे है उसके आधार पर एक प्रोजेक्ट लागू करें और प्रस्तुत करें।
पाठ्यक्रम
पाठ 1 साहित्य की ओर: वैश्विक संदर्भ में महिलाओं को कैसे चित्रित किया गया है?
पाठ 2 साहित्य का विश्लेषण: महिलाओं को उनके समाज में कैसे चित्रित किया गया है?
पाठ 3 साहित्य से सीखना: समाज में महिलाओं की वर्तमान वास्तविकता
पाठ 4 लैंगिक असमानताओं को दूर करने के लिए परियोजना तैयार करना
पाठ 5 परियोजना को कार्यान्वित करना
सीखने के मकसद • छात्र साहित्य के माध्यम से सामाजिक मुद्दों का पता लगाएंगे एवम आलोचनात्मक पढ़ने का अभ्यास करेंगे। • छात्र साहित्य से उदाहरण लेंगे और अपने ज़िन्दगी में उपयोग करेंगे। • छात्र जो कुछ सीखे है उस पर एक स्वतंत्र प्रोजेक्ट डिजाइन और कार्यान्वित करेंगे।

कक्षा **9** पाठ **1**
महिला अधिकार आंदोलन

समय सीमा: 60 मिनट।
विषय: इतिहास, सामाजिक अध्ययन, नागरिक शिक्षा।
डिज़ाइनर: मैट ओवेन्स
आदर्श: सतत विकास लक्ष्य-5 (लैंगिक समानता और महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण), 10 (असमानताओं को कम करना), 16 (शांति, न्याय, और सशक्त संगठन)

सारांश और तर्क:
निम्नलिखित पाठों के लिए आधार के रूप में एक सामाजिक और ऐतिहासिक रूपरेखा प्रदान करना जिसमें छात्र लघु कथाओं और कविताओं के माध्यम से लैंगिक असमानता और महिला अधिकार आंदोलनों की जांच करते हैं।

निर्देशात्मक लक्ष्य:
- छात्रों को पूरे इतिहास में महिला अधिकार आंदोलनों की अधिक सराहना मिलेगी, जिससे एक संदर्भ तैयार होगा जिसके माध्यम से अगले पाठों में साहित्य पढ़ा जा सकता है।
- छात्रों को अपनी लघु कहानी या कविता को आलोचनात्मक दृष्टि से पढ़ने की तैयारी मिलेगी।

लक्ष्यों को समझना:
- महिला अधिकार आंदोलनों का आज अंतर्राष्ट्रीय समाज में एक मजबूत और जीवंत इतिहास और उपस्थिति है।
- पूरे विश्व में महिला अधिकार आंदोलनों ने उन असमानताओं को दूर करने के लिए अथक प्रयास किया है जो पूरे इतिहास में समाजों में मौजूद थीं और आज भी मौजूद हैं।

आवश्यक प्रश्न:
- पूरे इतिहास में और आज भी महिलाओं को किन असमानताओं का सामना करना पड़ता है?
- पूरे इतिहास में महिलाओं और महिला अधिकार आंदोलनों ने असमानताओं पर कैसे प्रतिक्रिया दी है?
- किन प्रमुख सामाजिक और ऐतिहासिक ताकतों ने महिला अधिकार आंदोलनों के उदय को आकार दिया है?
- किस तरह साहित्य को एक उपयुक्त रूप के माध्यम से महिला आंदोलन के अधिकारों की जांच की जा सकती है?

छात्र सीखने के उद्देश्य:
- छात्र चर्चा में शामिल होंगे जहा लैंगिक असमानताओं को दूर करने में महिला अधिकार आंदोलनों की भूमिका के बारे में बात किया जायेग।
- छात्र एक आलोचनात्मक रूपरेखा तैयार करपायेंगे जिसके माध्यम से वे आगे पढ़ने वाले साहित्य के संबंध स्थापित करपायेंग।

मूल्यांकन: कक्षा की चर्चा/ वाद विवाद

गतिविधियों का क्रम:

- परिचय **(10** मिनट**):** शिक्षक महिलाओं के अधिकारों का संक्षिप्त परिचय देंगे जहा वे पुरे दुनिया के इतिहास और वर्तमान के आंदोलनों शामिल करेंगे।

- प्राइमरी सोर्स रीडिंग **(20** मिनट**):** शिक्षक छात्रों को छोटे समूहों में विभाजित करेंगे। छात्र अपने आप में दस मिनट के लिए इन प्राइमरी सोर्स रीडिंग को पड़ेंगे जिसके बाद के शिक्षक के दिए गए प्रश्न पे चर्चा करेंगे। छात्र किन असमानताएँ या तनाव को पहचानते है? इनको कैसे संबोधित किया जा सकता ह?

- कक्षा चर्चा **(20** मिनट**):** सरे छात्र एअक सात आकर अपने रीडिंग, सामान्य विषय और विभिन्न संस्कृतियाँ पे चर्चा करेंगे। शिक्षक छात्रों को वापस छोटे समूहों म विभाजित करेंगे परन्तु इस बार नए छात्र एक समूह में होंगे। इस तरह छात्र अपने विभिन्न सोच पे चर्चा कर पाएंगे।

- साहित्य **(10** मिनट**):** शिक्षक विभिन्न पाठ के परिचय देंगे जिसके के माध्यम से छात्र अपने अगले कक्षा की पाठ चुन सकते है।

शिक्षक के लिए रेस्रोके**:**

- अंतर्राष्ट्रीय महिला इतिहास की प्रमुख तिथियाँ: https://www.unwomen.org/sites/default/files/Headquarters/Attachments/Sections/Library/Publications/2019/Youth-in-action-for-gender-equality-en.pdf
- महिला सशक्तिकरण और अधिकारों के लिए प्रयासरत यूएन संस्था (UN Women): https://www.unwomen.org/en
- https://interactive.unwomen.org/multimedia/timeline/womenunite/en/index.html#/

Global Schools Program

कक्षा **9** पाठ **2**
छात्रों अनुसार महिलाओं को समाज में किस प्रकार से दिखाया जाता है?

सीमा: 50 मिनट।
विषय: सामाजिक अध्ययन, साहित्य।
डिज़ाइनर :कस्सी फुएमयूर
आदर्श: सतत विकास लक्ष्य-5 (लैंगिक समानता और महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण)

सारांश और तर्क:
यह पाठ उस साहित्य के विश्लेषण पर केंद्रित होगा जिसे छात्रों ने पाठ 1 में चुना है। वे (समूहों में) उन तरीकों का विश्लेषण करेंगे जिनमें महिलाओं को साहित्य में दर्शाया गया है, साथ ही साहित्य के उन पहलुओं का भी विश्लेषण करेंगे जो इस प्रतिनिधित्व का निर्माण/योगदान करते हैं।

निर्देशात्मक लक्ष्य:
- छात्र सांस्कृतिक विविधता के प्रति प्रशंसा, जिज्ञासा और सम्मान पैदा करेंगे।
- छात्र कविता/उपन्यास/लघु कथाएँ पढ़ते समय आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का अभ्यास करेंगे।

लक्ष्यों को समझना:
- सांस्कृतिक विविधता और विश्व संस्कृति के प्रति प्रशंसा, जिज्ञासा और सम्मान पैदा करें आत्म-विचार, पहचान निर्माण और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण की नींव मानव वार्तालाप।
- विश्व इतिहास, भूगोल और संस्कृति में एक ठोस आधार स्थापित करें, साथ ही अन्वेषण करें विश्व साहित्य।
- मौजूदा सत्ता संरचनाओं पर सवाल उठाएं और एक विशिष्ट दुनिया में उनके स्थान के बारे में जागरूक रहें ।
- अपनी स्वयं की पहचान, दूसरों की पहचान, संस्कृतियाँ कैसे आकार लेती हैं, और कोई व्यक्ति अंतरिक्ष और समय में कहां स्थित है को समझें ।
- सांस्कृतिक पूर्वाग्रह और उसके प्रभाव को कम करने की क्षमता को पहचानें।
- संस्कृति, धर्म और अनुभव के माध्यम से महत्व कैसे बनाए जाते हैं।
- साहित्य सामाजिक और सांस्कृतिक वास्तविकताएँ को सटीक और गलत दोनों तरह से प्रतिनिधित्व कर सकता है।

आवश्यक प्रश्न:
- आपके द्वारा पढ़े गए साहित्यो में महिलाओं का प्रतिनिधित्व किस प्रकार किया जाता है?
- यह साहित्य या लेखक के संदर्भ/सेटिंग में कैसे फिट होता है?
- महिलाओं का यह प्रतिनिधित्व हमें विभिन्न संस्कृतियों के बारे में क्या दिखाता है?
- क्या हमें इन साहित्यो में कोई असमानता या शक्ति का असंतुलन दिखाई देता है?

छात्र सीखने के उद्देश्य:
- छात्र यह समझे की साहित्यो म महिलाओं का प्रतिनिधित्व किस प्रकार किया गया है।
- छात्र उन तरीकों के बारे में सोचें जहा साहित्य सांस्कृतिक वास्तविकताओं के रूप से सटीक या गलत तरीके से विचारता हो रहे है।

मूल्यांकन: शिक्षक समूह चर्चाओं को प्रसारित या निगरानी कर सकते हैं।

गतिविधियों का क्रम:

- भाग **1 (25** मिनट**):** छात्र अपने चुने हुए साहित्य पर चर्चा करने के लिए छोटे समूहों में मिलेंगे:
    - आप जो साहित्य पढ़ रहे हैं उसकी सेटिंग/संदर्भ/लेखक के बारे में आप क्या जानते हैं?
    - आप जो साहित्य पढ़ रहे हैं उसमे महिलाओं का प्रतिनिधित्व किस प्रकार किया गया है?
    - यह प्रतिनिधित्व साहित्य या लेखक के संदर्भ/सेटिंग में कैसे फिट होता है?
    - महिलाओं का यह प्रतिनिधित्व हमें विभिन्न संस्कृतियों के बारे में क्या बताता है?
    - क्या हमें इस साहित्य में कोई असमानता या शक्ति असंतुलन दिखाई देता है?
    - क्या आपको लगता है कि यह प्रस्तुतिकरण संदर्भ के लिए सटीक है?

- भाग **2 (25** मिनट**):** छात्र नए समूहों में मिलेंगे जिसमे वे अपने चुने साहित्य के बारे में बताएँगे। इससे छात्रों को कई साहित्यों से परिचय होगा। जब यह चर्चा ख़तम होगा, तब छात्र निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर देंगे:
    - क्या आप महिलाओं के प्रतिनिधित्व में कोई समानता/अंतर देखते हैं?
    - महिलाओं को किस सन्दर्भ में सकारात्मक रूप से चित्रित किया गया है? नकारात्मक रूप से?

कक्षा **9** पाठ **3**
साहित्य से वर्तमान वास्तविकताओं तक संबंध बनाना: हमारे समाज के महिलाएं ।

सीमा: 50-60 मिनट ।
विषय: सामाजिक अध्ययन, साहित्य ।
डिज़ाइनर: हीथर केसेल्मान
आदर्श: सतत विकास लक्ष्य-5 (लैंगिक समानता और महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण), 10 (असमानताओं को कम करना), 16 (शांति, न्याय, और सशक्त संगठन)

सारांश और तर्क: छात्र महिला विषयों जो साहित्य में सशक्तिकरण तथा अपने जीवन और समाज में महिलाओं की भूमिका के बीच संबंध बनाएंगे। यह विशिष्ट संदर्भ में लैंगिक समानता की धारणाओं को निजीकृत करने में महत्वपूर्ण।

निर्देशात्मक लक्ष्य: छात्र अपने समाज के वर्तमान वास्तविकताओं से संबंध बनाएंग।

लक्ष्यों को समझना:

- साहित्य जीवन का अनुकरण कर सकता है और दुनिया में सामाजिक असमानताओं को विचार कर सकता है।
- समाज में महिलाओं की भूमिका पेचीदा और मौलिक रूप से असमान है।

आवश्यक प्रश्न:

- साहित्य में महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने के तरीके आपके समाज में दिखाई देते या नहीं?
- आपके समाज में महिलाओं के साथ कैसे अनुचित रूप से व्यवहार किया गया?
- आपके समाज में महिलाएँ पे अंतर्निहित शक्ति संरचनाएं और सांस्कृतिक मूल्य क्या हैं जो बरताव परिभाषित करते हैं?

छात्र सीखने के उद्देश्य:

- छात्र उनके समाज में मौजूदा लैंगिक असमानताओं का विश्लेषण करें।
- साहित्य में महिलाओं की विभिन्न भूमिकाओं के बीच समानताएं और अंतर का वर्णन करें।

मूल्यांकन: मिनी-पोस्टर और अंतिम विचार

गतिविधियों का क्रम:

- लेखन **(5** मिनट**):** छात्र लेखन में अपने जीवन या समाज की किसी प्रमुख महिला का वर्णन करेंगे। उन महिला के पास कौनसी शक्ति है? उनको किन संघर्षों का सामना करना पड़ता है? किन सामाजिक या सांस्कृतिक अपेक्षाएँ उन्हें रोकती हैं और उन्हें सशक्त बनाती हैं? वह क्या विकल्प चुन सकते है और किन विकल्प समाज उनके लिए चुनता है? यदि वह पुरुष होती तो उनका जीवन और अवसर किस प्रकार भिन्न होते?

- जोड़ी में चर्चा **(5** मिनट**):** छात्र दो समूह में अपनी चुनी हुई महिला की कहानी के बारे में बात करेंगे और इस प्रश्न पर चर्चा करेंगे: "उनका लिंग उनके अवसरों, विकल्पों, दृष्टिकोण और लक्ष्य को कितना प्रभावित करता है?"

- कक्षा में चर्चा **(5** मिनट**):** 2-3 छात्र कक्षा में अपनी चर्चा प्रस्तुत करेंग।

- साहित्य विश्लेषण **(20** मिनट**):** साझेदारों में, छात्र साहित्य से कम से कम 5 उद्धरण या उपाख्यान लिखेंगे जो कहानी में महिलाओं के उपचार के बारे में बात करते हैं, और प्रत्येक उदाहरण के आगे कुछ निष्कर्षों/विश्लेषणों के साथ इनका नोट्स बनाए।

- निष्कर्ष पे चर्चा **(3** मिनट**):** छात्र अपने द्वारा प्राप्त कुछ उदाहरणों की तुलना, अंतर और सामान्य निष्कर्ष करते हुए उन्हें कक्षा में प्रस्तुत ककरेंगे। इससे संघर्षरत छात्रों को उनके विश्लेषण में किसी भी कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी।

- चित्र बनाएं **(10** मिनट**):** छात्र एक वेन डायग्राम या अन्य इन्फोग्राफिक बनाएंगे जिसमे वे साहित्य में महिलाओं की भूमिका और उनके समाज में महिलाओं की भूमिका की तुलना करेंगे।

- प्रस्तुति और गैलरी वॉक **(3** मिनट**):** छात्र गैलरी को निरीक्षण करते हुए सहपाठियों के साथ सामान्य विषयो को पहचानेगे।

- अंतिम विचार **(8** मिनट**):** छात्र अपनी नोटबुक में निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर देंगे: “साहित्य के महिलाओं और हमारे अपने समाज में महिलाओं की भूमिका के बीच क्या समानताएँ और अंतर देख सकते हैं?"

शिक्षक के लिए रेसोके**:**

- वेन आरेख वर्कशीट: https://www.studenthandouts.com/graphic-organizers/relationships/blank-venn-diagram-printables-with-instructions.html

कक्षा **9** पाठ **4**
लैंगिक असमानताओं को दूर करने के लिए एक परियोजना तैयार करना।

सीमा: 50–120 मिनट।
विषय: सामाजिक अध्ययन, साहित्य।
डिज़ाइनर: क्रिस्चियन बॉटिस्टा
आदर्श: सतत विकास लक्ष्य-5 (लैंगिक समानता और महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण), 10 (असमानताओं को कम करना), 16 (शांति, न्याय, और सशक्त संगठन)

सारांश और तर्क: इस कक्षा में, छात्र कला के माध्यम से उनके समाज में मौजूदा लिंग असमानताएँ के रचना बनाएंगे। यह कार्य लघु कहानी, कविता, पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला, गीत, रचना, आदि हो सकता है। इस पाठ की योजना ललित या प्रदर्शन कला शिक्षक के सहयोग से बनाई जा सकती है।

निर्देशात्मक लक्ष्य: छात्र अपने रचनात्मकता को अपने जीवन या समाज के किसी सामाजिक मुद्दे पर लागू करेंगे। इस तरह वे पिछले पाठों के काम को संश्लेषित करेंगे और हितधारकों को कक्षा से परे भी शामिल किया जा सकता है।

लक्ष्यों को समझना:

- भिव्यंजक मीडिया के रूप में ललित और प्रदर्शन कलाएं सामाजिक आंदोलनों के लिए शुरुआती बिंदु के रूप में काम कर सकता हैं।
- प्रामाणिक सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को युवाओं और छात्रों द्वारा संबोधित किया जा सकता है जब वे ईमानदारी, एकजुटता और रचनात्मकता के साथ कार्य करें।

आवश्यक प्रश्न:

- कला पिछले पाठों में खोजी गई असमानताओं का प्रतिनिधित्व कैसे कर सकती है?
- क्या कलात्मक मीडिया सामाजिक न्याय की खोज में विशिष्ट रूप से उपयोग किया जा सकता है?
- सामाजिक न्याय प्राप्त करने में प्रत्येक विशेष माध्यम (पेंटिंग, गायन, आदि) की ताकत/सीमाएं क्या हैं?
- कला संस्कृति और समाज को कैसे आकार दे सकती है?

छात्र सीखने के उद्देश्य:

- छात्र एक कला बनाएं जो पाठ 1-3 में उनकी व्यक्तिगत सीख को दर्शाता हो।
- छात्र अपने कलात्मक निर्णय के विचार लिखित या मौखिक रूप में प्रस्तुत करे।

मूल्यांकन: कला की प्रस्तुति; लिखित या मौखिक रूप में अपने विचार प्रस्तुत करना

गतिविधियों का क्रम:

- साहित्य और स्वतंत्र लेखन से जुड़ाव **(5-7** मिनट**):** छात्र पहले 2 पाठों के दौरान उनकी सोच में विकास के बारे में स्वतंत्र लेखन करेंगे। उन्हें वे 5 उद्धरण जो उन्होंने पाठ 3 से एकत्र किए और सहपाठियों में से कोई भी उद्धरण जो दिलचस्प लगे उनकी समीक्षा करनी चाहिए, साथ ही उनके अपने जीवन और समाजो के उद्धरण प्रासंगिकता पर भी विचार करें।

- कला का उत्पादन **(20-60 मिनट):** छात्रों को अधिकतर समय अपने कला को बनाने में लगाना चाहिए जो निम्नलिखित अनिवार्य प्रश्न से विवाद करे:
    - पूरे इतिहास में और आज भी हमारे समाज के महिलाओं को किन असमानताओं का सामना करना पड़ा है?
    - हमारे समाज ने पूरे इतिहास के असमानताओं पर किस प्रकार का प्रतिक्रिया दी है?
    - क्या महिला अधिकार आंदोलनों के उदय को आकार दिए गए प्रमुख सामाजिक और ऐतिहासिक अधिकारों को कलात्मक रूप से चित्रित करने का कोई तरीका है?
        - यदि छात्र कोई पेंटिंग, कोलाज, या दृश्य कला या अन्य कार्य कर रहे हैं, तो सुझाव दिया गया है कि शिक्षक छात्रों को पूर्व निर्धारित उपलब्ध कलात्मक तक सीमित रखें या दूसरे माध्यम प्रशिक्षक के साथ सहयोग करने के अवसर के (संगीत प्रशिक्षक, कला प्रशिक्षक, आदि)।
            - सुझाया गया मीडिया:
                - कोलाज जो छात्रों के जीवन या उनसे जुड़ी तस्वीरों, स्थानीय समाचार पत्र, वेबसाइटें इत्यादि से लिए गए तस्वीरों वाला हो।
                - कोई भी रूप का पेंटिंग, शायद कुछ औपचारिक सीमाओं के साथ (केवल 2 रंगों का प्रयोग, आदि)
                - फोटोग्राफी, कविता, कथा लेखन, गीत लेखन/गीत

- अंतिम विचार **(20 मिनट):** छात्रों के कला पर निर्धारित करते हुए ऊपर दिए गए 3 अनिवार्य प्रश्नों में से कोई एक का उत्तर लेखन में दे या कक्षा के सामने अपने काम को मौखिक रूप से प्रस्तुत करना। यदि परियोजनाएं ज़्यादा है (या उत्पादन के लिए एक से अधिक कक्षाएँ ली हैं) शिक्षक को एक अलग आयोजन जिसमें छात्रों के काम को देखने के लिए समाज के सदस्य (शिक्षक, प्रशासक और अभिभावक) को आमंत्रित किया जाए।

Global Schools Program

कक्षा **9** पाठ **5**
परियोजना का कार्यान्वयन।

सीमा: 120–180 मिनट।
विषय: सामाजिक अध्ययन,कला, साहित्य।
डिज़ाइनर: चिहिरो योशिदा
आदर्श: सतत विकास लक्ष्य-5 (लैंगिक समानता और महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण), 10 (असमानताओं को कम करना), 16 (शांति, न्याय, और सशक्त संगठन)

सारांश और तर्क: पाठ 4 में उन्होंने जो कलाकृति बनाई थी उसे एक माध्यम के रूप में उपयोग करते हुए, छात्र इसे लोगो के सामने प्रस्तुत करेंगे और समाज में होने वाली लिंग असमानता पर चर्चा का नेतृत्व करेंगे।

निर्देशात्मक लक्ष्य: छात्र लोगो को अपनी कलाकृति प्रस्तुत करेंगे, सार्वजनिक रूप से बोलने का अभ्यास करें, और समाज के अन्य सदस्यों को सामाजिक मुद्दे के चर्चो में शामिल करेंगे।

लक्ष्यों को समझना:

- भिव्यंजक मीडिया के रूप में ललित और प्रदर्शन कलाएं सामाजिक आंदोलनों के लिए शुरुआती बिंदु के रूप में काम कर सकता हैं।
- प्रामाणिक सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को युवाओं और छात्रों द्वारा संबोधित किया जा सकता है जब वे ईमानदारी, एकजुटता और रचनात्मकता के साथ कार्य करें।
- समाज के सदस्यों के साथ बातचीत में शामिल होना महत्वपूर्ण शिक्षण पाठ हो सकता है।

आवश्यक प्रश्न:

- युवा मौजूदा सामाजिक और लैंगिक असमानता की धारणाओं को कैसे चुनौती दे सकते हैं?
- कला को किस प्रकार एक माध्यम के रूप से इस्तमाल किया जा सकता ह जिससे लोगो के बीच सामाजिक मुद्दों पर चर्चाएँ किए जा सकते है?
- स्थानीय समुदाय के हितधारक कौन हैं जिन्हें कार्रवाई को प्रेरित करने की बातचीत में शामिल किया जा सकता है?

छात्र सीखने के उद्देश्य:

- छात्र बड़े दर्शकों के सामने बोलने का अभ्यास करें और सीखें।
- छात्र लैंगिक मुद्दों पर विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत का नेतृत्व करना सीखें।

गतिविधियों का क्रम:

- विचार-मंथन (60 मिनट): छात्र जोड़े या छोटे समूहों में जो कलाकृतियाँ बनाईं उसके बारे में विचार करते हैं और चर्चा करे की वो कलाकृति को सबसे प्रभावी ढंग से कैसे समाज के सदस्यों को प्रस्तुत किया जा सकता है। छात्र निम्नलिखत क प्रयोग कर सकते है:
    - उनकी कलाकृति को समझाने के लिए एक वर्णनात्मक लिखित कथन जोड़ें;
    - कार्य को दर्शाने वाली एक छोटी कला कृति का प्रदर्शन करें;
    - आने वाले आगंतुकों को उनकी कलाकृति समझाएं।

- प्रस्तुति **(20** मिनट**):** कलाकृति को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रस्तुत किया जाएग। यह सार्वजनिक पुस्तकालय, सामुदायिक संगठन, पार्क इत्यादि जहा कई समाज के सदस्य को आकर्षित कर सकते हैं और वे छात्रों से मिलेंगे और उनसे जुड़ेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए विद्यालय और शिक्षकों स्थानीय संस्थान के साथ काम करेंगे और छात्र आगंतुकों के सामने अपनी कलाकृतियाँ प्रस्तुत करेंगे।

- चर्चा **(40** मिनट**):** छात्र और समाज के सदस्य छोटे-छोटे समूहों में बंट जाते हैं जहा वे कलाकृति के बारे में बातचीत (छात्रों के नेतृत्व में) करेंगे और लैंगिक असमानता के मुद्दे पर चर्चा करने का प्रयास करेंगे। कुछ मार्गदर्शक प्रश्न हैं:
    - कलाकृति ने आपमें कौन सी भावनाएँ जगाईं?
    - क्या आप कलाकृति के संदेशों से सहमत/असहमत हैं?
    - समाज के कुछ आवाजें चर्चा से कैसे छूट सकती हैं?
    - समाज इन लैंगिक मुद्दों को बेहतर ढंग से कैसे संबोधित कर सकता है?
    - इस प्रयास में आपकी क्या भूमिका हो सकती है

- विचार **(15** मिनट**):** छात्र समाज के सदस्यों के साथ अपनी चर्चाएँ के बारे में बातचीत करने के लिए कक्षा में वापस आते हैं, और इन पहल को आगे ले जाने के तरीको पे चर्चा करेंगे। वे व्यक्तिगत विचार में भी संलग्न हो सकते हैं और इन विचार को अपने किताब म लिख सकते ह।

शिक्षक के लिए रेस्रोके**:**

- युवाओं को लैंगिक समानता के पक्षधर बनने के लिए एक मार्गदर्शिका: https://developmenteducation.ie/resource/through-the-looking-glass-a-guide-to-empower-young-people-to-become-advocates-for-gender-equality/
- विविध संदर्भों में नागरिक सहभागिता: https://ir.vanderbilt.edu/handle/1803/10817